सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 12 ● अंकः 76 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 21 अप्रैल, 2026

हमारे जीवन की ज्यादातर समस्याएं हमारे बोलने के लहजे से पैदा होती हैं। इससे मतलब नहीं है कि हम क्या कहते हैं, इससे मतलब है कि हम कैसे कहते हैं।

–ब्रह्माकुमारी शिवानी

आईपीएल में मुंबई की चौथी सबसे बड़ी... 7 | बंगाल में पहले फेज के मतदान... 3 | भाजपा के भ्रष्टाचार से आ रहा... 2

पश्चिम बंगाल की राजनीति में गिरते स्तर पर कूटनीति

मतदान से पहले ममता बनर्जी के 800 कार्यकर्ताओं को किया जा सकता है गिरफ्तार!

- कोर्ट पहुंची टीएमसी गिरफ्तारी को रोकने के लिए दायर की अपील
- मतदान से ठीक एक दिन पहले डबल बेंच करेगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की चुनावी बिसात पर चालें तेज हो चुकी हैं। एक तरफ सत्ता की कुर्सी बचाने की जिद है तो दूसरी तरफ उसे छीनने का जुनून। सियासत के इन दो पाटों में अगर कोई पिस रहा है तो वह है लोकतंत्र। पश्चिम बंगाल में चुनावी बिगुल बजते ही आरोप और प्रत्यारोप का जो दौर शुरू हुआ है वह खत्म होने का नाम ही नही ले रहा। सबसे ताजा और भयंकर आरोप एक बार फिर टीएमसी की तरफ से लगाये गये हैं और पार्टी कोर्ट भी पहुंची है।

आरोपों में कहा गया है कि मतदान और काउटिंग के बीच टीएमसी के 800 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा सकता है। टीएमसी का कहना है कि इन कार्यकर्ताओं पर चुनाव आयोग की पैनी नजर बनी हुई हैं। इन आरोपों पर सवाल उठना भी शुरू हो गये है और पूछा जा रहा है कि क्या यह कानून व्यवस्था है या मैदान खाली करने की रणनीति? पश्चिम बंगाल की राजनीति में तापमान अपने उच्चतम स्तर पर है। इस बार गर्मी सिर्फ भाषणों में नहीं बल्कि हालात में भी दिखाई दे रही है। आरोप गंभीर हैं वक्त नाजुक है और दांव बहुत बड़ा क्योंकि यह सिर्फ एक चुनाव नहीं सत्ता के भविष्य का फैसला है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से ठीक पहले जो आशंका जताई है उसने पूरे चुनावी परिदृश्य को एक नई दिशा दे दी है। उनका कहना है कि चुनाव आयोग के निर्देशों के बाद उनकी पार्टी के लगभग 800 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया जा सकता है। वह भी ऐसे वक्त पर जब उनकी मौजूदगी पोलिंग बूथ और काउंटिंग टेबल पर सबसे ज्यादा मायने रखती है। यह आरोप साधारण नहीं है। यह सीधे सीधे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है।

हाईकोर्ट की दहलीज पर ममता बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस ने अब इस आशंका को केवल मंचों तक सीमित नहीं रखा है। पार्टी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है एक औपचारिक कदम जो इस पूरे विवाद को सियासी बयानबाजी से निकालकर संवैधानिक दायरे में ले आता है। वरिष्ठ वकील और सांसद कल्याण बनर्जी की ओर से दायर याचिका में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की डिवीजन बेंच ने इस याचिका को स्वीकार कर लिया है और इस मामले में पहली सुनवाई की संभावित तारीख 22 अप्रैल है। यानी 23 अप्रैल को होने वाले दो चरणों वाले विधानसभा चुनावों के पहले चरण से ठीक एक दिन पहले। तृणमूल कांग्रेस को आशंका थी कि पार्टी के लगभग 800 कार्यकर्ता, जिन पर चुनाव आयोग की लगातार नजर बनी हुई है, उसके निर्देशों के बाद चुनावों से पहले गिरफ्तार किए जा सकते हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में अपनी हर चुनावी रैली में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं, विशेष रूप से पोलिंग एजेंट और मतगणना एजेंटों के चुनाव से पहले गिरफ्तार होने को लेकर यही आशंका जताई थी। मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी के नेतृत्व को यह निर्देश भी दिया था कि ऐसी गिरफ्तारियों की स्थिति में वह बैकअप तैयार रखें। अब तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करने के साथ ही उनकी आशंकाओं और आरोपों को एक आधिकारिक रूप मिल गया है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तापमान अपने उच्चतम स्तर

“मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से ठीक पहले जो आशंका जताई है उसने पूरे चुनावी परिदृश्य को एक नई दिशा दे दी है।”

पुराने आरोप, नई तीव्रता

यह पहला मौका नहीं है जब ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग या सुरक्षा बलों पर सवाल उठाए हों। इससे पहले भी उन्होंने केंद्रीय बलों की भूमिका पर गंभीर आरोप लगाए थे। लेकिन इस बार मामला अलग है क्योंकि यह सीधे चुनावी संरचना के भीतर दखल की बात करता है। और जब आरोप इतने गंभीर हों तो उनका असर सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं रहता यह जनता के भरोसे तक पहुंचता है।

नजर बनाम निशाना असली सवाल क्या है?

चुनाव आयोग का काम होता है निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना। लेकिन जब उसी आयोग के निर्देशों को लेकर एक सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री खुलकर आरोप लगाए तो मामला साधारण नहीं रह जाता। क्या यह वाकई नजर है यानी संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी या फिर यह निशाना है यानी विपक्षी ढांचे को कमजोर करने की रणनीति? ममता बनर्जी के बयान लगातार इसी दिशा में इशारा कर रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को पहले ही आगाह कर दिया था कि संभावित गिरफ्तारियों के लिए तैयार रहें और बैकअप एजेंट्स की व्यवस्था रखें। यह निर्देश अपने आप में बताता है कि पार्टी इस खतरे को कितना वास्तविक मान रही है।

पोलिंग एजेंट लोकतंत्र के ग्राउंड सोल्जर

चुनाव में पोलिंग एजेंट और काउंटिंग एजेंट की भूमिका अक्सर सुर्खियों में नहीं आती लेकिन असल खेल वहीं होता है। यह वही लोग होते हैं जो बूथ पर खड़े होकर हर वोट की प्रक्रिया पर नजर रखते हैं और काउंटिंग के समय हर बैलेट या ईवीएम की गिनती पर निगरानी रखते हैं। अगर इन्हीं लोगों की अनुपस्थिति हो जाए कारण चाहे जो भी हो तो चुनावी पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यही वजह है कि टीएमसी इस मुद्दे को केवल गिरफ्तारी नहीं बल्कि चुनावी ढांचे में हस्तक्षेप के तौर पर पेश कर रही है। भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से बंगाल में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस अपने गढ़ को बचाने के लिए हर मोर्चे पर डटी हुई है। यह टकराव अब वैचारिक से ज्यादा रणनीतिक हो चुका है जहां हर चाल का जवाब चाल से दिया जा रहा है। और इसी टकराव के बीच यह 800 गिरफ्तारियों का मुद्दा एक बड़ा नैरेटिव बनता जा रहा है।

भ्रष्ट भाजपा की वजह से आ रहा ज्यादा बिल : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख- सपा सरकार बनने पर यूपी के लोगों को 300 यूनिट बिजली देंगे मुफ्त, महिलाओं को 40 हजार की पेंशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 27 में सपा सरकार बनने पर जनता के हित के फैसले करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कहा है सपा की सरकार बनती है तो प्रदेश के लोगों को 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि साथ ही महिलाओं को साल में 40 हजार रुपये पेंशन दी जाएगी। भाजपा सरकार में स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर चल रही बिजली की ठगी के खिलाफ उत्तर प्रदेश की जनता के गुस्से का मीटर हाई है, क्योंकि उसे पता चल गया है कि ज्यादा बिल आने का असली कारण भाजपा का भ्रष्टाचार है। अखिलेश यादव प्रदेश सपा मुख्यालय पर बुंदेलखंड समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम दोहराते हुए 27 में अधिक से अधिक विधायक जिताना है। भाजपा अनर्गल आरोप लगाकर समाजवादियों को बदनाम करने की कोशिश करती है। भाजपा नरेटिव तो गढ़ती है लेकिन जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती है।

फीस बढ़ोतरी पर लविवि में सपा छात्र सभा का प्रदर्शन

लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोतरी के विरोध में समाजवादी छात्र सभा ने प्रदर्शन किया। छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं ने परिसर में पैदल मार्च निकालते हुए कुलपति कार्यालय तक पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। जब छात्र वीसी कार्यालय पहुंचे तो दफ्तर बंद मिला, जिसके बाद नाराज छात्रों ने वहीं फर्श पर बैठकर धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने फीस वृद्धि वापस लेने और छात्रों के हित में फैसला करने की मांग उठाई। इस दौरान नारेबाजी भी की गई। विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नकली विरोध की शूटिंग करा रही भाजपा

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उनके संगी-साथी साजिश करने से बाज नहीं आएंगे। अब नकली विरोध की शूटिंग कराई जा रही है। इसमें शामिल युवक-युवतियों का हम कोई दोष नहीं मानते हैं, क्योंकि बेतहाशा बेरोजगारी के इस भाजपाई दौर में मजबूर होकर दो पैसों की उम्मीद में लोग कुछ भी करने को तैयार हैं। भाजपा पहले गरीबी-मजबूरी पैदा करती है, फिर उन बेबस लोगों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उन्हें अपने गलत इरादों के लिए इस्तेमाल करती है।

अखिलेश से मिले युवा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से सोमवार को प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर बिहार के मुजफ्फरपुर से मुंबई स्थित प्रसिद्ध हाजी अली दरगाह तक स्केटिंग करते हुए जा रहे मो. तौहीद रजा, मो. साजिद, मो. अमीरुल और मो. अली ने मुलाकात की। अखिलेश यादव ने नौजवानों की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे।

हम विश्वगुरु नहीं हैं संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाएं : मुरली मनोहर

» भाजपा के वरिष्ठ नेता अपनी ही पार्टी को दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि भारत अब विश्वगुरु नहीं रहा और इस शब्द का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने संस्कृत के अधिक प्रचार-प्रसार और क्वांटम कंप्यूटिंग में भी इसके उपयोग की मांग की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए जोशी ने संस्कृत को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर सहित कई लोगों ने अतीत में इसके लिए प्रयास किए थे, लेकिन उनके

प्रस्ताव स्वीकृत नहीं हुए। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि विश्वगुरु होने की धारणा के बारे में मेरा व्यक्तिगत मानना है कि आजकल हमें इस शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिए। हम वर्तमान में विश्वगुरु नहीं हैं। हमें विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए, लेकिन आज हम विश्वगुरु नहीं हैं। जोशी ने कहा कि इस दृष्टि से आधुनिक समय में संस्कृत का बहुत महत्व है और उन्होंने क्वांटम कंप्यूटिंग सहित आधुनिक वैज्ञानिक कार्यों में इस प्राचीन भाषा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। जोशी ने कहा कि अगर देश में अधिकतर काम संस्कृत में होने लगे तो यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। संविधान बनाते समय डॉ. अंबेडकर ने भी संस्कृत को देश की राष्ट्रीय भाषा बनाने का प्रयास किया थाज संस्कृत न केवल भारत की बल्कि पूरे विश्व की विरासत है क्योंकि यह सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। इसी बीच, आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने भी सोमवार को संस्कृत के अधिक प्रचार-प्रसार की पुरजोर वकालत करते हुए कहा कि इसके प्रचलन में वृद्धि न केवल अन्य सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध करेगी और उनके बीच सेतु का काम करेगी, बल्कि लोगों को भारत के प्राचीन विचारों और संस्कृति से भी जोड़ेगी।

पोर्टल सिस्टम से फसल उठान तक सैनी सरकार पूरी तरह फेल : रणदीप सुरजेवाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में गेहूं और सरसों की खरीद को लेकर जारी खींचतान के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला भी मैदान में कूद गए हैं। सोमवार को वह अंबाला जिला की विभिन्न अनाज मंडियों में पहुंचे। अंबाला सिटी अनाज मंडी में उन्होंने किसानों, मजदूरों और आढ़तियों की समस्याएं सुनीं और मंडियों की बदहाली को लेकर प्रदेश की नायब सैनी सरकार को आड़े हाथों लिया।

सुरजेवाला ने सरकार के उस निर्देश को तुगलकी फरमान करार दिया जिसमें फसल को केवल ट्रैक्टर-ट्रॉली में लाने की बात कही गई है। उन्होंने तर्क दिया कि हरियाणा में ट्रैक्टर-ट्रॉली के कमर्शियल इस्तेमाल की इजाजत नहीं है, जिससे किसानों का चालान होने का डर है। उन्होंने सवाल किया, आप गेहूं की फसल खरीद रहे हैं या ट्रैक्टर-ट्रॉली। किसान अपनी फसल किसी भी साधन से लाए, सरकार को इससे क्या तकलीफ है। उनके साथ पूर्व विधायक जसबीर मलौर भी रहे।

सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि पोर्टल सिस्टम से लेकर फसल के उठान तक सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। उन्होंने मंडियों की व्यथा बताते हुए कहा कि सर्वर डाउन होने, पोर्टल में गड़बड़ी और बायोमेट्रिक (अंगूठों) का मिलान न होने के कारण किसान परेशान हैं। इसके साथ ही मंडियों में बारदाने की कमी है और किसानों को उनकी फसल की बिक्री का भुगतान भी नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस नेता ने बारदाने (बैग्स) के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार ने समय रहते मजबूत जूट के बैग्स क्यों नहीं खरीदे। उन्होंने वर्तमान में इस्तेमाल हो रहे प्लास्टिक बैग्स की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए उन्हें शीशे की तरह पारदर्शी और बेहद कमजोर बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटिया बैग्स गोदाम में जाने के बाद जल्द ही खराब हो जाएंगे, जिससे करोड़ों की गेहूं बर्बाद होगी। उन्होंने इसे लूट का एक नया धंधा करार दिया।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

भाजपा सरकार कानून लागू ही नहीं करना चाहती : जूली

महिला आरक्षण पर भाजपा के प्रदर्शन पर कांग्रेस का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में महिला आरक्षण मुद्दे पर भाजपा ने पदयात्रा निकालकर कांग्रेस पर हमला बोला, जबकि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर कानून लागू न करने के आरोप लगाए। दोनों दलों के बीच यह मुद्दा अब बड़ा राजनीतिक संघर्ष बन गया है। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वें संशोधन) विधेयक को पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने के बाद राजस्थान की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जयपुर में इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ा विरोध प्रदर्शन किया, वहीं कांग्रेस ने भी सरकार पर महिला आरक्षण लागू न करने को लेकर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया

कुमारी ने पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ इसके नेतृत्व में आगे बढ़ रही थीं। हाथों में बैनर और नारेबाजी के साथ महिला कार्यकर्ता मार्च कर रही थीं। पदयात्रा आगे बढ़ी तो पुलिस ने कमिश्नरेट के सामने बैरिकेडिंग लगाकर जुलूस को रोक दिया। इसके बाद मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई। महिला कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे महिला आरक्षण के समर्थन में और अपने अधिकारों की मांग को लेकर एकत्रित हुई हैं। पुलिस कार्रवाई के विरोध में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अलका मूंदड़ा ने कांग्रेस के रुख को घृणित बताते हुए कहा कि जनता इसका जवाब देगी। प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसकी तुलना रावण से की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों का हनन करने वालों को जनता सबक सिखाएगी।

बंगाल में पहले फेज के मतदान से पहले सियासी घमासान

टीएमसी ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

सुरक्षा बलों से लेकर पत्रकारों का भी चुनाव में इस्तेमाल!

- ममता व सुवेंद्र ने संभाले अपने-अपने खेमे
- भाजपा के 152 उम्मीदवारों में से 106 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं
- तृणमूल के 148 उम्मीदवारों में से 63 पर आपराधिक मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को है। इसबीच सियासी वार-पलटवार चरम पर है। टीमएमसी जहां केंद्रीय बलों पर बीजेपी का पर्चा बांटने का आरोप लगा लगा रही है तो बीजेपी झूठे पत्रकार बनाकर बूथों में टीएमसी कार्यकर्ता घुसाने की प्रयास कर रही है। इस बीच टीएमसी के नेताओं के यहां छापे पर भी सियासत गरमा गई है। इन सबके बीच बंगाल में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की कुंडली भी बाहर आ रही है।

जिसमें क्या भाजपा क्या टीएमसी या कोई और सभी हमाम में नंगे है। लड़ रहे 1,478 उम्मीदवारों में से 20 प्रतिशत करोड़पति है। इनमें कुल 228 उम्मीदवारों की संपत्ति 1 से 5 करोड़ रुपये के बीच है। इनमें 46 उम्मीदवारों के पास 5 से 10 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जबकि 35 उम्मीदवारों की संपत्ति 10 करोड़ रुपये से अधिक है। करोड़पति उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा टीएमसी से है। ये आंकड़े एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स और पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच के एक विश्लेषण में सामने आए हैं। एडीआर ने पहले चरण के 1,475 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण करके इन आंकड़ों को निकाला है। वहीं तीन उम्मीदवारों के हलफनामों में कुछ कमियां थीं।

सबसे अमीर प्रत्याशी

सबसे अमीर उम्मीदवारों में जंगीपुर से टीएमसी के जाकिर हुसैन शीर्ष पर हैं। जाकिर हुसैन की कुल संपति 133 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। उनके बाद बरजोरा से गौतम मिश्रा (105 करोड़ रुपये) और दुर्गापुर पश्चिम से कवि दत्ता (72 करोड़ रुपये) का स्थान है। औसत संपति के मामले में भी टीएमसी सबसे आगे है। टीएमसी के एक उम्मीदवार की औसत संपति 5.7 करोड़ रुपये है। इसके मुकाबले बीजेपी के उम्मीदवारों की औसत संपति 2.5 करोड़ रुपये, कांग्रेस की 2 करोड़ रुपये और सीपीआईएम की करीब 92 लाख रुपये है।

टीएमसी नेताओं की सुरक्षा घटाने पर चुनाव आयोग पर भड़कीं ममता

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने तृणमूल नेताओं की सुरक्षा तो हटा ली, लेकिन बीजेपी नेताओं की सुरक्षा बरकरार रखी है। ममता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को शुक्रवार शाम तक का समय दिया है कि वे बंगाल में निजी व्यक्तियों (श्रेणीबद्ध और गैर-श्रेणीबद्ध सुरक्षा प्राप्त लोगों) को सरकार की ओर से दी गई सुरक्षा हटा लें। क्योंकि राज्य में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने इसके पीछे बूथ-स्तर पर तैनाती के लिए राज्य पुलिस कर्मियों की भारी कमी को मुख्य कारण बताया है। कूच बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि

क्या आपने बीजेपी नेताओं की सुरक्षा हटाई है? हर दूसरा नेता जेड श्रेणी की सुरक्षा के साथ घूम रहा है और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) के साथ मिलकर गुंडागर्दी कर रहा है। लेकिन उनकी सुरक्षा नहीं हटाई गई है।

सीआरपीएफ की भूमिका पर टीएमसी ने उठाए सवाल

तृणमूल कांग्रेस नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग की ओर से जारी फोर्स डिप्लॉयमेंट इन इलेक्शंस मैनुअल 23%, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और भारतीय न्याय संहिता, 23 का उल्लंघन किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि फेसबुक पर प्रसारित एक वीडियो के आधार पर यह शिकायत की गई है। इस वीडियो में कुछ नागरिक यह दावा करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि सीआरपीएफ के जवान कथित तौर पर बीजेपी उम्मीदवारों के साथ घूम रहे थे। बीजेपी के पर्चे बांट रहे थे और मतदाताओं को बीजेपी के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

इन पर अपराधिक मामले दर्ज

राज्य समन्वयक उज्जैनी हलीम ने बताया कि 152 सीटों में से 66 सीटों पर हर निर्वाचन क्षेत्र में तीन ऐसे उम्मीदवार थे जिनका आपराधिक रिकॉर्ड था। इनमें से छह पर बलात्कार के मामले लंबित हैं। आईएसएफ में आठ में से छह उम्मीदवारों पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं। इनमें बलात्कार, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे अपराध शामिल हैं। एआईएमआईएम के नौ उम्मीदवारों में से छह पर आपराधिक मामले लंबित हैं। इनमें से चार पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं। सोशलिस्ट पार्टी और एसडीपीआई ने एक-एक उम्मीदवार मैदान में उतारा था और दोनों पर ही गंभीर अपराधों के आरोप हैं।

सबसे गरीब प्रत्याशी

वहीं दूसरी ओर, सबसे गरीब उम्मीदवारों में दुर्गापुर पूर्व से आम जनता उन्नयन पार्टी की रुबिया बेगम हैं। उनकी कुल संपत्ति मात्र 500 रुपये है। उनके बाद एसयूसीआई की सुश्रिता सरेन (700 रुपये) और जशोदा बर्मन (924 रुपये) का स्थान है। वहीं रिपोर्ट से पता चला कि 23 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले लंबित हैं और 20 प्रतिशत पर गंभीर अपराधों के आरोप हैं। बीजेपी के 152 उम्मीदवारों में से 106 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 96 पर गंभीर आरोप हैं। वहीं तृणमूल के 148 उम्मीदवारों में से 63 पर आपराधिक मामले और 48 पर गंभीर आरोप दर्ज हैं।

आईपैक व टीएमसी पार्टी कार्यकर्ताओं को सुनियोजित तरीके से नकली प्रेस पहचान पत्र दिए जा रहे : सुवेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग को एक पत्र लिखकर एक गंभीर साजिश की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने दावा किया कि यह साजिश कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस द्वारा आईपैक के साथ मिलकर रची जा रही है, जिसका मकसद लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करना है। आगामी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले एक्स पर एक पोस्ट में अधिकारी ने आरोप लगाया कि आईपैक व टीएमसी पार्टी कार्यकर्ताओं को सुनियोजित तरीके से नकली प्रेस पहचान पत्र जारी कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि जो लोग पत्रकार नहीं हैं, उन्हें मीडिया सदस्य के रूप में पेश किया जा रहा है, ताकि वे मतदान केंद्रों और प्रमुख

प्रशासनिक केंद्रों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में बिना किसी रोक-टोक के प्रवेश पा सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं ध्यान एक गंभीर साजिश की ओर तुरंत दिलाना चाहूंगा, जिसे तृणमूल कांग्रेस पार्टी अपनीराजनीतिक परामर्श मनी लॉन्ड्रिंग फर्म के साथ मिलकर रच रही है। इसका एकमात्र मकसद लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करना और पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों की निष्पक्षता से समझौता करना है। अधिकारी ने आरोप लगाया कि प्रेस कार्ड के विशेषाधिकार का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है; यह कार्ड उन्हें ऐसी आवाजाही और पहुंच देता है जो आम पार्टी कार्यकर्ताओं को नहीं मिलती। उन्होंने आगे कहा, प्रेस का रूप धरकर, ये कार्यकर्ता मतदान केंद्रों में घुस सकते हैं, मतदाताओं को डरा-धमका सकते हैं या प्रभावित कर सकते हैं, और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को शक हुए बिना चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर कर सकते हैं। यह भी TMC की एक पुरानी और आजमाई हुई रणनीति है, जिसमें प्रेस कार्ड के विशेषाधिकार का गलत इस्तेमाल किया जाता है यह कार्ड उन्हें ऐसी आवाजाही और पहुंच देता है जो आम पार्टी कार्यकर्ताओं को नहीं मिलती।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कागजों से कब बाहर आएगी किसानों की सुविधाएं

> कागजों में किसानों के लिए सरकारी सुविधाओं की कोई कमी नहीं? एमएसपी की सुविधाओं का प्रावधान है, लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। कुल मिलाकर अन्नदाता सुख-सुविधाओं से कोसों दूर हो चुका है। सब्सिडी वाली खाद उन्हें ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। किसानों के लिए ईमानदारी से कुछ करने की जरूरत है।

धीरे-धीरे गर्मी बढ़ रही है। मानव से लकर जानवर तक प्रकृति के इस कोप का भोजन बनेंगे। सबसे ज्यदा प्रभाव पेड़-पौधे, खेती किसानी पर पड़ेगा। कृषि पर वैसे ही संकट का बादल मंडराया हुआ है। अनचाही बारिश से उत्पन्न समस्याओं ने इस संकट को और गहरा दिया है। कागजों में किसानों के लिए सरकारी सुविधाओं की कोई कमी नहीं? एमएसपी की सुविधाओं का प्रावधान है, लेकिन जमीन पर सच्चाई कुछ और बयां करती हैं। कुल मिलाकर अन्नदाता सुख-सुविधाओं से कोसों दूर हो चुका है। सब्सिडी वाली खाद उन्हें ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है। किसानों के लिए ईमानदारी से कुछ करने की जरूरत है। अगर याद हो तो इन्हीं दिनों में पिछले वर्ष भी तबाही वाली बारिश हुई थी। तब गनीमत ये थी फसल कट चुकी थी। वैसे भी किसान कृषि को अब घाटे का सौदा मानने लगे हैं। सौ रुपए के आसपास डीजल का भाव है। कायदे से अनुमान लगाए तो किसानों की लागत का मूल्य भी फसलों से नहीं लौट पाता? यही वजह है कि खेती नित घाटे का सौदा बनती जा रही है।

इसी कारण धीरे-धीरे किसानी से मोहभंग होने लगा है। मौजूदा बारिश से दूसरी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। नुकसान पर सरकारें बेशक सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत राहत देने का प्रयास करती हों। लेकिन लगातार बेमौसम बारिश के कारण किसानों का कर्ज और मुसीबतें बढ़ रही हैं। सरकारें, बेशक इस बारिश को कुदरती आपदा करार दें? पर, कड़वी सच्चाई वही है जो मौसम वैज्ञानिक बता रहे हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट इसे कुदरती आपदा नहीं, बल्कि जलवायु परिर्वतन, पश्चिमी विक्षोम, अल-नीनो जैसी वायुमंडलीय परिस्थितियां ही बता रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से भारत में करीब 80 लाख हेक्टेयर फसलें तबाह हुई हैं। इससे देश का अन्नदाता लगातार कर्ज में डूबा है। कर्ज बढ़ने के बाद किसान आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर होते हैं? मौजूदा बारिश ने महाराष्ट्र में प्याज और आम की फसल को लगभग नष्ट किया है। जबकि, कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्या करने के आंकड़े वहां सर्वाधिक है। अनचाही बारिश रबी की फसलों पर कटाई के ऐन वक्त आफत बनकर टूटती हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूकंप, भूस्खलन और बेमौसम बारिश का आना अब आम हो गया है। निष्क्रिय हो चुके पुराने बीमा प्रावधान को रिफॉर्म किया जाए, ताकि बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि व बिजली गिरने आदि घटनाओं से बर्बाद हुई फसलों के नुकसान से उन्हें उभारा जा सके। कृषि सेक्टर से सरकार कतई मुंह नहीं फेर सकती? क्योंकि कृषि सेक्टर संपूर्ण जीडीपी में 20-25 फीसदी भूमिका निभाती है इसलिए कृषि को हल्के में नहीं ले सकते।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मनुष्यता का शोकगीत बनती महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा

डॉ. वीरेंद्र आज़म

धरती पर इंसानियत फिर लहूलुहान है। दुनिया बारूद की गंध में सांस ले रही है, बारूद के धुएं में बच्चों की हंसी, स्कूलों की घंटियां और अस्पतालों की शांति सब कुछ घुल गया है। अमेरिका, इस्राइल और ईरान के युद्ध ने सभ्यता के मुंह पर एक बड़ा काला धब्बा छोड़ दिया है। युद्ध के दौरान जिस तरह बमबारी हुई है उससे मची तबाही और राष्ट्राध्यक्षों के सनकभरे बयानों ने संवेदना की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। अब युद्ध केवल सीमाओं का नहीं रहा, वह विचारों, अर्थव्यवस्था और नैतिक मूल्यों पर भी आक्रमण कर चुका है। ईरान, अमेरिका, इस्राइल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, रूस-यूक्रेन, हर मोर्चे पर निर्दोषों का लहू बहा है और महाशक्तियां हथियारों के व्यापार में लिप्त हैं। यदि सभ्यता का अंत युद्ध की धूल और बारूदी धुएं में ही होना है, तो फिर विकास का अर्थ क्या रह जाएगा? अमेरिका की एक मिसाइल ने ईरान के एक शहर में ऐसी तबाही मचायी कि लोगों की रूह कांप उठी, मानवता कराह उठी।

दक्षिणी ईरान के मीनाब में एक नौसैनिक अड्डे के पास स्थित शजारेह तैय्येब प्राथमिक विद्यालय पर हुए मिसाइल हमले में 7-12 साल उम्र की 165 मासूम बच्चियां मारी गईं। इन छोटी बच्चियों के शव किसी भी नीति-निर्माता, किसी भी बयान या किसी भी धर्म के पक्ष में दिए गए तर्कों को झुठला रहे हैं। उधर, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध ने अमानवीयता का एक और अध्याय जोड़ दिया है। पाकिस्तान-अफगानिस्तान की सरहद पर भी अस्पतालों और शरणार्थी शिविरों पर बम बरसे हैं। पाकिस्तानी सेना ने पिछले महीने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर हवाई हमला कर अस्पताल का एक बड़ा हिस्सा तबाह कर दिया। हमले में करीब 400 लोगों की मौत हो गयी और सैकड़ों लोग घायल हुए। इसके अलावा भी रिहायशी इलाकों और स्कूलों पर हमले हुए हैं। इन घटनाओं ने हमें यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर यह युद्ध किसके लिए है और किसके खिलाफ है? यह सिर्फ बच्चियों और मरीजों की मौत का आंकड़ा नहीं है अपितु मनुष्यता का शोकगीत है।

ये घटनाएं इस सदी की सबसे बड़ी शर्म हैं जो मानवता और नैतिकता के माथे पर गाढ़ा धब्बा बनकर दर्ज हो चुकी हैं। हास्यास्पद बात ये है कि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों इन हमलों से पल्ला झाड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तो शुरू में एक बचकाना बयान

देते हुए यहां तक कह दिया था कि स्कूल पर 'ईरान ने खुद बम गिराया' है। लेकिन बाद में राजनीतिक बचाव करते हुए कहा गया कि निशाना साधने में चूक हुयी है। उधर पाकिस्तान का अस्पताल पर हमले से इनकार भी उतना ही झूठा और खोखला है, जितना सूरज की रोशनी में अंधकार की बात करना। सवाल यह नहीं कि बटन किसने दबाया, सवाल यह है कि मरे कौन। उत्तर स्पष्ट है-बच्चे, बीमार, और निर्दोष नागरिक। राष्ट्राध्यक्षों की जिद, तानाशाही प्रवृत्ति और शक्ति की होड़ ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युग में युद्ध अब सीमा की नहीं, बल्कि स्वार्थ, सनक और अहंकार की राजनीति है। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई तथा अनेक सैन्य कमांडरों के अमेरिका व इस्राइल के हमलों में मारे जाने के बाद ईरान बदले की आग में धधक रहा है। अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने के साथ ही अमेरिकी सैन्य बेस वाले खाड़ी के मुस्लिम देशों पर भी ईरान ने ताबड़तोड़ हमले किये हैं। इन हमलों में भी बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। इन देशों में नागरिकों की हर सुबह मौत के खौफ और रातें 'कल क्या होगा' की बेचैनी में कटी हैं। कोई भी दिशा सुरक्षित नहीं रही। बमों की दिशा बदल सकती है, पर दर्द का पता हर बार वही रहता है, आम आदमी के सिर तक। ईरान के हमलों ने यह जता दिया कि प्रतिशोध अब भूगोल नहीं देखता। आज की दुनिया का सबसे भयावह दृश्य यह है कि युद्ध बढ़ रहे हैं, और समानांतर रूप से हथियार-व्यापार फल-फूल रहा है। इन युद्धों के बीच अमेरिका अनेक देशों को 'सुरक्षा' के नाम पर हथियारों की डील दे रहा है।

यानी युद्ध जितना फैलता है, मुनाफा उतना बढ़ता है। यह मानवता के नाम पर किया जा रहा एक ऐसा वैश्विक व्यापार है, जहां हर मौत एक बाजार का संकेत बन गयी है। प्रतिशोध के गलियारों में हर मौत एक आंकड़ा बन रही है। नैतिकता अब केवल भाषणों में बची है, शांति का धर्म पूंजी के आगे हार रहा है। जो देश 'मानव अधिकार' की रक्षा का दावा करते रहे हैं, वे ही अब मानवाधिकारों का हनन कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध भी कोई अलग कहानी नहीं है। वहां भी लाखों सैनिक और हजारों निर्दोष नागरिक मारे जा चुके हैं। कथित 'सुरक्षा' के नाम पर की गई हर बमबारी, सभ्यता के इतिहास में निरंतर कलंक जोड़ रही है। पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और पूर्वी यूरोप-तीनों मोर्चों पर एक जैसी तस्वीर है।

थलापति की एंट्री से त्रिकोण में उलझी तमिल राजनीति

वेद विलास उनियाल

तमिलनाडु की जनता को 23 अप्रैल को जनादेश देना है। तमिलनाडु की परंपरागत सियासत से हटकर इस बार स्थिति में काफी असमंजस है। तमिलनाडु की राजनीति के दो बड़े ध्रुव डीएमके और अन्ना द्रमुक का आपसी संघर्ष इस बार अलग तरह के त्रिकोण में फंसा है। राज्य की राजनीति पर प्रभाव रखने वाले दोनों ही बड़े दलों के गठबंधन में छोटी पार्टियों के अदल-बदल की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती रही है। लेकिन इस बार के त्रिकोण में फिल्म से राजनीति में आए जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने अपनी नई पार्टी टीवीके को सभी सीटों पर चुनाव लड़ाकर तमिल राजनीति को अलग आयाम दे दिया है। डीएमके के साथ इस समय कांग्रेस सहित 22 पार्टियां चुनाव मैदान में हैं। द्रमुक ने अन्ना द्रमुक के तपे तपाए नेता प्लानी स्वामी को अपने साथ जोड़कर पहला पासा फेंका है।

डीएमके ने एआईडीएमके के दस साल पुराने शासन को समाप्त कर सत्ता हासिल की थी। उस समय प्लानीस्वामी ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। अन्ना द्रमक की नेता जयललिता के निधन के बाद अन्ना द्रमुक के आंतरिक झगड़ों का लाभ द्रमुक ने भरपूर उठाया। विधानसभा चुनाव की शानदार सफलता को उसने लोकसभा में भी दोहराया। राज्य में अन्ना द्रमुक और सहयोगी बीजेपी कोई सीट हासिल नहीं कर सकी। स्टालिन ने प्रचार के परंपरागत तरीके बदले। केंद्र से भाषा और अधिकार की बात पर सीधा टकराव करके अपने को तमिल हितों का रक्षक बताने की कोशिश की। कलेग्नार मगलीर उरीमाई थिट्टम, महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा, सीएम ब्रेक फास्ट स्कीम, गैस सब्सिडी जैसी योजनाएं चलाकर उन्होंने जनता को साधने की कोशिश की। तमिल क्षेत्रीय भावनाओं को उभारने के लिए हिंदी विरोध के पुराने राग को छेड़ते हुए स्टालिन काफी आगे निकल गए। त्रिभाषा फार्मूले पर द्रमुक ने लोगों को जमकर उकसाने की कोशिश की। संकीर्ण राजनीतिक कारणों से हिंदी विरोध की जड़ों को जमकर सींचा गया। द्रमुक अहसास कराती रही है कि बीजेपी बाहरी पार्टी है।

द्रमुक के लिए इस बार के चुनाव कई मायनों में आसान नहीं हैं। स्टालिन द्वारा अपने बेटे उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाने और सियासत में उभारने की कोशिशों के चलते पार्टी में छिपा आंतरिक विरोध दिखता है। द्रमुक सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे रहे हैं। सत्ता विरोधी माहौल में नशीले पदार्थ का मुद्दा आग में घी का काम कर रहा है। कांग्रेस की राज्य में 1967 के बाद से अपनी सरकार नहीं बन सकी। भक्तवत्सलम राज्य के आखिरी कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। अन्ना दुरई के नेतृत्व में डीएमके ने कांग्रेस को पराजित किया था। इसके बाद तमिलनाडु में राष्ट्रीय पार्टियां उभर नहीं पाईं। इस दौर में कांग्रेस द्रमुक के साथ मिलकर चुनाव तो लड़ती है लेकिन द्रमुक सत्ता में उसकी भागेदारी नहीं होने देता। द्रमुक और कांग्रेस के बीच इस बार का गठबंधन बहुत गर्मजोशी के साथ नहीं हुआ। लेकिन कांग्रेस को अहसास है कि लोकसभा में उसकी 99 सीटों में तमिलनाडु की नौ सीटों का अपना महत्व है।

इसलिए कांग्रेस दक्षिण के इस प्रमुख राज्य में अन्ना द्रमुक और बीजेपी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए द्रमुक का साथ देती है। तमिलनाडु में 234 सीटों में द्रमुक ने 164 सीटें अपने पास रखी है। कांग्रेस को पिछली बार से तीन ज्यादा 28 सीटें दी गई हैं। विजयकांत की पार्टी डीएमडीके को 10 सीटें दी गई हैं। सीपीआई और सीपीआईएम को पांच पांच सीटें दी गई हैं। लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी अन्ना द्रमुक और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर लंबा मंथन हुआ। लेकिन जयललिता के निधन के बाद लगातार कमजोर हो रही अन्ना द्रमुक के लिए यह चुनाव काफी अहम है। अन्ना द्रमुक ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। पीएमके 18 एएमएमके 11 टीएमसी एम कमल के चिन्ह पर पांच सीटों पर लड़ रही है। तमिलनाडु की दोनों पार्टियां द्रमुक और अन्ना द्रमुक द्रविड़ अस्मिता को लेकर एक लाइन रही हैं। गौरतलब है कि जयललिता के समय अन्ना द्रमुक के घोषणापत्र में राम मंदिर का जिक्र भी था।

अन्ना द्रमुक द्रविड़ अस्मिता और गौरव की बात तो करती है लेकिन मुद्दों पर बहुत आक्रामक नहीं होती। वर्ष 2004 से पहले द्रमुक एनडीए का हिस्सा था। बीजेपी की सियासी भूल में इस बात को शामिल किया जाता है कि अगर द्रमुक को एनडीए से अलग नहीं किया होता तो बीजेपी की सरकार नहीं गिरती। बीजेपी की लुक साउथ नीति में तमिलनाडु में अपना प्रभाव धीरे-धीरे बढ़ाने की लक्ष्य है। बीजेपी ने दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए काशी तमिल संगमम तमिल भाषा प्रचार जैसे कुछ चीजों पर फोकस किया। जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम यानी टीवीके के सभी 239 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वह स्वयं पेरंबूर और तिरुचिपल्ली दो सीटों पर लड़ रहे हैं। टीवीके ने 27 टिकट महिलाओं को दिए हैं। विजय थलापति यानी कमांडर के नाम से जाने जाते हैं। विजय को लेकर दोनों गठबंधनों में खींचतान रही। लेकिन विजय ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। तमिलनाडु में वह कितनी सीटें जीत पाए यह कयास ही लग सकता है लेकिन वह दोनों गठबंधनों में किसी एक का समीकरण बिगाड़ने में सक्षम हैं। राज्य में सत्ता के विरोध का जो माहौल है उसमें मतदाता उन्हें विकल्प देखता है तो एनडीए के लिए मुश्किल होगी।

इन चीजों में भरपूर मात्रा में मिलता है ओमेगा 3 फैटी एसिड

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते चलन के कारण हमारे शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसे जरूरी पोषक तत्वों की भारी कमी होने लगी है। ओमेगा-3 एक एसेंशियल फैट है, जिसे हमारा शरीर खुद नहीं बना सकता, इसलिए इसे आहार के माध्यम से लेना जरूरी होता है। अक्सर जब ओमेगा-3 की बात आती है, तो लोगों के मन में महंगे चिया सीड्स या विदेशी साल्मन मछली का ख्याल आता है, जिससे आम मध्यमवर्गीय व्यक्ति इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाने से कतराता है। मगर क्या आप जानते हैं कि हमारे भारतीय रसोई घर और स्थानीय बाजारों में ऐसी कई सस्ती और सुलभ चीजें मौजूद हैं जो ओमेगा-3 का पावरहाउस हैं? यह पोषक तत्व न केवल आपके हार्ट को स्वस्थ रखता है और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है, बल्कि मस्तिष्क की कार्यक्षमता और आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए भी रामबाण माना जाता है। अगर आप भी बजट में रहकर अपनी सेहत को दुरुस्त करना चाहते हैं, तो इन देसी सुपरफूड्स को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

अखरोट

मुट्ठी भर अखरोट का सेवन आपके दैनिक ओमेगा-3 की जरूरत को पूरा कर सकता है। भीगे हुए अखरोट में कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। कैल्शियम दांतों और हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके साथ भीगे हुए अखरोट अल्फा-लिनोलेनिक एसिड का अच्छा सोर्स माना जाता है। अल्फा-लिनोलेनिक एसिड हड्डियों और दांतों के विकास के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में भीगे हुए अखरोट काफी मददगार साबित होते हैं। अखरोट पर हुई रिसर्च में ये बात सामने आई है कि रोजाना खाली पेट भीगे हुए अखरोट का सेवन करने से शरीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

अलसी के बीज

अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड के सबसे अच्छे प्लांट-बेस्ड सोर्स में से एक हैं, जो सूजन को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के लेवल में सुधार करके दिल के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। अलसी के बीज घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं, कब्ज से राहत दिलाते हैं और हेल्दी गट माइक्रोबायोम को बढ़ावा देते हैं। फाइबर से भरपूर होने के कारण अलसी के बीज आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद कर सकते हैं, फूड क्रेविंग को कम करते हैं और कम खाने के लिए प्रेरित करते हैं। अलसी के बीज लिग्नान से भरपूर होते हैं, जिनमें फाइटोएस्ट्रोजेनिक गुण होते हैं। ये सीड्स हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं, खासकर पीसीओएस और मेनोपॉज में फायदेमंद होते हैं।

सरसों का तेल

जैतून के तेल के मुकाबले सरसों के तेल में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 का बेहतरीन संतुलन होता है। सरसों का तेल एक प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है। यह त्वचा में नमी को लॉक करने और पोषण प्रदान करने में मदद करता है। ड्राई स्किन की समस्या दूर करने में यह बहुत प्रभाव है। सरसों का तेल एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुणों भरपूर होती है। यह त्वचा पर मौजूद हानिकारक बैक्टीरीया से लड़ने और हटाने में मदद करता है। त्वचा के घाव जल्दी भरता है और कील-मुहांसों को कम करने में मदद करता है।

सोयाबीन

सब्जी या तेल के रूप में सोयाबीन एक बजट-फ्रेंडली विकल्प है। सोयाबीन प्रोटीन का भंडार होता है। इसमें पाया जाने वाला प्रोटीन शरीर में पचने के बाद यूरिक एसिड भी नहीं बनाता है। शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का सबसे अच्छा सोर्स सोयाबीन होता है। रोजाना एक कटोरी सोयाबीन को भिगोकर खाने से वजन बढ़ाने, मांसपेशियों को विकसित और मजबूत बनाने में मदद मिलती है। खानपान में गड़बड़ी की वजह से डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। डायबिटीज में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फूड्स का सेवन करने की सलाह दी जाती है। डायबिटीज के मरीजों के लिए सोयाबीन बहुत फायदेमंद होता है।

हंसना मना है

महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

पार्टी में एक लड़की लड़के के पास गई, बोली- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का-हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

सन- मॉम, पापा बहुत शरीफ हैं, मॉम- वो कैसे बेटा, सन-पापा जब भी किसी लड़की को देखते हैं, तो एक आंख बंद कर लेते है।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं! दे जूते.. दे चप्पल!

वाईफ टीवी पर मैच देख रही थी, हसबैंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हूं? तभी वाईफ जोर से चिल्लाई, छक्का!

पति- मेरे सीने में बहुत दर्द हो रहा है जल्दी से एम्बुलेंस के लिए फोन लगाओ, पत्नी- हां लगाती हूं जल्दी अपने मोबाईल का पासवर्ड बताओ, पति- रहने दो अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

कहानी | राजा और तोता

एक राज्य का हरिशंकर नाम का राजा था। उसके तीन बेटे थे। उसकी ख्वाहिश थी कि वह उसका सबसे काबिल बेटा उसकी राजगद्दी संभाले, लेकिन वह इस बाात को लेकर संशय में था कि किसे वह अपना राजपाट सौंपे। एक दिन उसने अपने बेटों को बुलाया और कहा, अगर तुम लोगों के सामने एक गुनेगार खड़ा हो तुम उसके साथ क्या करोगे? इस पर पहले बेटे ने कहा, उस अपराधी को सजाए मौत दी जानी चाहिए। दूसरे ने कहा, कालकोठरी में बांध देना चाहिए। तीसरे ने कहा, उसे सजा देने से पहले इस बात की जांच करनी चाहिए कि उसने सही में अपराध किया है या नहीं। तीसरे बेटे ने सभी को एक कहानी सुनाई। एक राजा था, जिसके पास एक बुद्धिमान तोता था। एक बार उस तोता ने महराज से कहा, मुझे अपने माता और पिताजी के पास जाना है। राजा ने उसकी बात नहीं मानी, लेकिन तोता ने हार नहीं मानी। वह लगातार महराज से जिद्द करने लगा। अंत में राजा ने तोता की बात मान ली और कहा, ठीक है तुम अपने माता-पिता से मिलकर आओ, लेकिन राजा ने तोता को केवल पांच दिन की अनुमती दी। छठे दिन जब वह राजा के पास लौट रहा था तो उसने सोचा कि क्यों न वह महराज के लिए कुछ उपहार ले लिया जाए। फिर वह पर्वत कि ओर निकल पड़ा। तोता ने पर्वत पर पहुंच कर अमृत फल तो ले लिया, लेकिन रात हो जाने के कारण वह आगे नहीं बढ़ा और वहीं रूक गया। तभी एक सांप वहां आया और उसने राजा के लिए गए अमृत फल को खाने लगा। इस कारण फल में जहर फैल गया था। तोते को इस बात की भनक तक नहीं थी। अगली सुबह जब वह फल लेकर महल पहुंचा और कहा, महराज मैं आपके लिए यह अमृत फल लेकर आया हूं। आप इसे खाएंगे तो सदा के लिए अमर हो जाएंगे। उन्होंने तुरंत उस अमृत फल को खाने के लिए मांगा। एक मंत्री ने कहा, जरा रूकिए महराज, आप इस फल को बिना जांच किए कैसे खा सकते हैं। राजा मंत्री की बात से सहमत हुआ और कहा कि तुरंत इस फल को एक कुत्ते को खिलाया जाए। फल खाते ही कुत्ते की मौत हो गई। यह देख राजा गुस्से से आग बबूला हो गया। उसने तलवार से तोता के सिर को काट दिया। साथ ही फल को फेंकवा दिया। कुछ साल बाद उसी स्थान पर एक पौधा निकल आया। राजा ने कहा पेड़ का फल कोई नहीं खाएगा। कुछ दिन बाद एक वृद्ध व्यक्ति ने उसी पेड़ से फल तोड़ा और खाने लगा ।ज्वह बूढ़ा व्यक्ति एक दम से जवान हो गया। राज समझ आ गया कि उससे बहुत बड़ी गलती हो गई। उसने बिना सच्चाई जाने तोता को मार दिया। इधर, तीसरे राजकुमार को राजा ने अपना उतराधिकारी नियुक्त किया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं।

वृश्चिक तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है।

मिथुन यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

धनु कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें।

कर्क भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

मकर आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

सिंह नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कुम्भ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। नया काम मिलेगा।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

'महावतार परशुराम' से विक्की कौशल का दमदार पोस्टर रिलीज

विक्की कौशल और उनकी अपकमिंग फिल्म महावतार परशुराम के मेकर्स ने परशुराम जयंती को खास अंदाज में सेलिब्रेट किया है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा एक नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें परशुराम के साहस, धर्म और न्याय के संदेश को दिखाने की कोशिश की गई है। साथ ही विक्की कौशल के अवतार ने फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है।

परशुराम जयंती पर धर्मा प्रोडक्शन ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर लिखा कि धर्म की रक्षा के लिए कभी-कभी कठिन फैसले लेने पड़ते हैं और यही परशुराम का सबसे बड़ा संदेश है। इस पोस्ट के जरिए मेकर्स ने उस योद्धा को नमन किया, जिसने निडर होकर सही का साथ दिया था। पोस्टर सामने आते ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई और लोग इसके अपडेट का बेसब्री से इंतजार करने लगे।

बॉलीवुड मसाला

इसके अलावा फिल्म को लेकर एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में विक्की कौशल के अपोजिट एक नए चेहरे को कास्ट करने की प्लानिंग की जा रही है। इसके लिए हरनाज संधू का नाम सामने आ रहा है और मेकर्स उनसे बातचीत कर रहे हैं। इसके अलावा, विक्की इस किरदार के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। इस रोल के लिए उन्हें एक पहलवान जैसा मजबूत शरीर और रफ लुक अपनाना होगा।

बता दें कि डायरेक्टर अश्विन कुमार की ये फिल्म दिसंबर 2027 तक रिलीज होने की संभावना हैं। फिल्म को बड़े लेवल पर बनाया जाने वाला है, जिसमें नई तकनीक और शानदार विजुअल्स का इस्तेमाल होगा। महावतार परशुराम एक पौराणिक कहानी पर बनी फिल्म है, जो भगवान परशुराम के जीवन, उनके संघर्ष और उनके सिद्धांतों को बड़े पर्दे पर दिखाएगी। फिलहाल विक्की कौशल संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में बिजी हैं इसीलिए फिल्म की शूटिंग थोड़ी देर से शुरू होगी।

जल्द ही स्पोर्ट्स ड्रामा सीरीज ग्लोरी में अहम भूमिका निभाती नजर आयेंगी जन्नत जुबैर

सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां आपकी पॉपुलैरिटी आपके फॉलोअर्स के नंबर तय करते हैं। लेकिन फिल्मों की कास्टिंग हमेशा इस आधार पर नहीं की जाती है। कभी-कभी ये फॉलोअर्स या पॉपुलैरिटी के बारे में नहीं होगा है, बल्कि एक ऐसे कलाकार के बारे में होता है, जो सच में किसी भी किरदार में पूरी तरह से ढल जाता है। कुछ ऐसा ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की अपकमिंग सीरीज में देखने को मिलने वाला है। इस पॉपुलर ओटीटी पर जल्द ही स्पोर्ट्स ड्रामा सीरीज ग्लोरी रिलीज होने वाली है, जिसमें जन्नत जुबैर रहमानी एक अहम भूमिका को निभाते हुए नजर आएंगी।

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस जन्नत जुबैर करीब सात साल बाद किसी लंबी कहानियां या सीरीज में कमबैक करने जा रही हैं। इस सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया था, जिसके बाद एक्ट्रेस की बड़ी फैन फॉलोइंग के बीच काफी एक्साइटमेंट देखने को मिली। साथ ही, इंटरनेट पर कई लोग उनकी कास्टिंग को लेकर सवाल उठाने लगे हैं, जिस पर बात करते हुए सीरीज के निर्माता ने सफाई दी है। दरअसल, ट्रेलर लॉन्च के समय पर सीरीज के निर्माता करण अंशुमन ने बताया कि सोशल मीडिया पर लोगों की फॉलोअर्स का हमारी सिलेक्शन प्रोसेस पर किसी भी प्रकार का असर नहीं पड़ता है।

उन्होंने कहा, 'हम सोशल मीडिया पर लोगों के नंबरों के आधार पर कास्टिंग नहीं करते। ये कोई मायने नहीं रखता। हमारे लिए, ऑडिशन ही सब कुछ होता है। क्या आप ये कर सकते हैं? और सबसे योग्य व्यक्ति जिसका ऑडिशन सबसे अच्छा होता है, उसे ही रोल दिया जाता है।'

बॉलीवुड मन की बात

ब्रेकअप के महीनों बाद तक मैं सो नहीं पायी थी : कल्कि

कल्कि कोचलिन ने हाल ही में अपनी लाइफ के सबसे मुश्किल दौर को याद किया। ये वो दौर था जब दिल टूटने की वजह से वो महीनों तक इंसोम्निया से जूझती रहीं। इस दौरान उनकी मेंटल और फिजिकल हेल्थ दोनों पर असर पड़ा था। सोहा अली खान के पॉडकास्ट में कल्कि ने बताया कि कैसे इमोशनल दर्द धीरे-धीरे फीजिकल प्रॉब्लम में बदल गई। उन्होंने कहा, दिल टूटने के बाद मुझे कई महीनों तक नींद आई, तब समझ आया कि इन सब की वजह से मेंटल हेल्थ पर कितना असर पड़ता है। कल्कि ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि उनकी रातें बेहद लंबी और बेचैन होती थीं। नींद जैसे उनसे दूर हो गई थी। अगर कभी नींद आती भी थी, तो वो रात के 2-3 बजे उठ जातीं और फिर दोबारा सो नहीं पाती थीं। उन्होंने कहा, मैं सो ही नहीं पाती थी। रात में उठकर गिटार बजाती या खुद को किसी काम में लगा लेती थी, क्योंकि दोबारा नींद आना मुश्किल था। एक्ट्रेस ने बताया कि लगातार नींद की कमी की वजह से उनकी हालत और खराब हो गई थी। काम के दौरान भी उन्हें समझ नहीं आता था कि वो जाग रही हैं या सपना देख रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता था जैसे मैं किसी ड्रीम स्टेट में हूं या सच में जाग रही हूं। ये स्थिति करीब चार महीनों तक चली। आपको बता दें कल्कि ने पहली शादी अनुराग कश्यप से की थी। हालांकि जब दोनों अलग हुए तो एक्ट्रेस की जिंदगी में Guy Hershberg की एंट्री हुई और दोनों ने साल 2020 में बेटी सैफो का वेलकम किया।वर्क फ्रंट की बात करें तो कल्कि को हाल ही में गोल्डफिश में देखा गया था।फिलहाल एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों लाइफ को मैनेज करने में लगी हुई हैं।

भारत की चमत्कारी चोटी, जहां से निकलती हैं साढ़े 7 नदियां, औषधीय पौधों से भी समृद्ध है यह क्षेत्र

मध्य प्रदेश का Indore सिर्फ स्वादिष्ट खान-पान और जीवंत माहौल के लिए ही नहीं, बल्कि आसपास मौजूद प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों के लिए भी जाना जाता है। इन्हीं में से एक खास जगह है Janapav Hill, जिसे प्रकृति, आस्था और रहस्यों का अनोखा संगम माना जाता है। इंदौर जिले की महू तहसील में स्थित यह पहाड़ी शहर से लगभग 45 किलोमीटर दूर है। करीब 854 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह विंध्याचल की प्रमुख चोटियों में गिनी जाती है। इंदौर-मुंबई हाईवे के पास होने की वजह से यहां पहुंचना आसान है, जिससे पर्यटकों की आवाजाही सालभर बनी रहती है। खासकर मानसून में यहां का नजारा बेहद खूबसूरत हो जाता है। चारों तरफ हरियाली, ठंडी हवाएं और बादलों से ढकी पहाड़ियां इसे ट्रेकिंग और नेचर लवर्स के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन बना देती हैं। धार्मिक नजरिए से भी इस स्थान की खास पहचान है। मान्यता है कि Parshuram का जन्म यहीं हुआ था। हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर यहां भव्य मेला लगता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु शामिल होते हैं। कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने जन्म के बाद Mount Kailash जाकर भगवान शिव से शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा प्राप्त की थी। पहाड़ी की चोटी पर उनके पिता जमदग्नि का आश्रम भी बताया जाता है, जो इस स्थान की पौराणिक महत्ता को और बढ़ाता है। इस पहाड़ी की सबसे अनोखी पहचान यह है कि इसे साढ़े सात नदियों का उद्गम स्थल माना जाता है। यहां मौजूद एक कुंड से कई नदियों की शुरुआत होती है, जिनमें चंबल, अजनार, सुमरिया, बालम, चोरल, कारम और नेकेड़ेश्वरी प्रमुख हैं। दिलचस्प बात यह है कि कारम और नेकेड़ेश्वरी एक ही धारा में बहती हैं, इसलिए इन्हें मिलाकर आधी नदी माना जाता है। इसी वजह से यहां 'साढ़े सात नदियों' की मान्यता प्रचलित है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह क्षेत्र औषधीय पौधों से भी समृद्ध है। मान्यता है कि माता रेणुका ने यहां कई दुर्लभ जड़ी-बूटियां उगाई थीं। आज भी आयुर्वेद से जुड़े लोग इस इलाके में औषधीय वनस्पतियों की खोज के लिए आते हैं। Janapav Hill सिर्फ एक खूबसूरत पहाड़ी नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और प्राकृतिक रहस्यों का ऐसा संगम है, जो इसे मध्य प्रदेश के खास पर्यटन स्थलों में शामिल करता है।

अजब-गजब

इस रहस्य के पीछे छिपा है अजीब वैज्ञानिक कारण

इस रेलवे स्टेशन से गुजरते ही अंधेरे में डूब जाती है ट्रेन!

भारत में हर दिन हजारों ट्रेनें चलती हैं और सैकड़ों रेलवे स्टेशनों से गुजरती हैं। भारतीय रेलवे दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में से एक है, जो लाखों यात्रियों को रोज उनके गंतव्य तक पहुंचाता है। कहीं स्टेशन बड़े और व्यस्त होते हैं तो कहीं छोटे और शांत, लेकिन कुछ जगहें ऐसी भी हैं जो अपनी अनोखी खासियत के कारण चर्चा में रहती हैं। भारतीय रेलवे का नेटवर्क इतना विशाल है कि यह देश के कोने-कोने को जोड़ता है और अलग-अलग तरह की ट्रेनों लोकल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट का संचालन करता है। इन्हीं ट्रेनों के बीच एक ऐसी जगह भी है, जहां से गुजरते ही अचानक पूरी बोगी अंधेरे में डूब जाती है। लाइट बंद, पंखे बंद कुछ पल के लिए यात्रियों को लगता है कि कुछ अजीब हो गया है। पहली बार सफर करने वालों के लिए यह अनुभव थोड़ा डराने वाला भी हो सकता है, लेकिन इसके पीछे एक दिलचस्प तकनीकी कारण छिपा है।

दरअसल, यह अनोखी घटना तमिलनाडु के चेन्नई स्थित ताम्बरम रेलवे स्टेशन के पास की एक जगह है, जहां से गुजरते हुए ट्रेनों की बत्ती गुल हो जाती है। जैसे ही लोकल ट्रेन इस इलाके से गुजरती है, उसकी बोगियों की लाइटें अचानक बंद हो जाती हैं। कुछ सेकंड के लिए पूरा डिब्बा अंधेरे में डूब जाता है, जिससे यात्रियों में हलचल मच जाती है। हालांकि, यह स्थिति सभी ट्रेनों में नहीं होती। खास बात यह है कि यह समस्या केवल लोकल ट्रेनों में ही देखने को मिलती है, जबकि एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें यहां से सामान्य रूप से गुजरती हैं।

पहली नजर में यह किसी रहस्य या तकनीकी गड़बड़ी जैसा लगता है, लेकिन इसके पीछे एक पूरी तरह वैज्ञानिक कारण है। दरअसल, इस इलाके में रेलवे की ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन के एक छोटे हिस्से में बिजली का करंट नहीं होता। जब लोकल ट्रेन एक इलेक्ट्रिक जोन से दूसरे जोन में प्रवेश करती है, तो कुछ पल के लिए बिजली का कनेक्शन टूट जाता है। इसी वजह से ट्रेन की लाइट और पंखे अचानक बंद हो जाते हैं। इस प्रक्रिया को रेलवे की भाषा में न्यूट्रल सेक्शन कहा जाता है।

अब सवाल यह उठता है कि एक्सप्रेस ट्रेन में ऐसा क्यों नहीं होता? इसका कारण काफी दिलचस्प है। एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें ऐसे सेक्शन से गुजरते समय अपने आप डीजल मोड पर स्विच कर जाती हैं, जिससे उनकी बिजली सप्लाई वैसे ही रहती है जैसे चली आ रही होती है। वहीं लोकल ट्रेनें पूरी तरह ओवरहेड वायर पर निर्भर होती हैं, इसलिए सेक्शन बदलते समय उनमें कुछ सेकंड के लिए बिजली बंद हो जाती है। पहली बार यह अनुभव करने पर किसी को भी डर लग सकता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इसमें कोई रहस्य या खतरा नहीं है। यह पूरी तरह रेलवे की तकनीकी व्यवस्था का हिस्सा है, जो सुरक्षित तरीके से ट्रेनों को अलग-अलग बिजली सेक्शन में ले जाने के लिए बनाई गई है।

चुनावों से पहले स्टालिन की हुंकार

डीएमके प्रमुख का भाजपा पर करारा प्रहार

» बोले- तमिलनाडु के दुश्मनों के लिए खतरनाक हूं और इस पर गर्व है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 026 की सरगर्मियों के बीच मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने एक शक्तिशाली वीडियो संदेश जारी कर विरोधियों पर तीखा हमला बोला है। स्टालिन ने कहा कि राज्य के हितों की रक्षा के लिए अगर उन्हें उनके पिता एम. करुणानिधि से भी ज्यादा खतरनाक माना जाता है, तो यह उनके लिए सम्मान की बात है। स्टालिन ने कहा 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान, कुछ लोगों ने कहा था कि स्टालिन, करुणानिधि से ज़्यादा खतरनाक हैं। मेरी तुलना कभी भी करुणानिधि से नहीं की जा सकती। उन्हें अपना पिता कहने के बजाय, मैंने हमेशा उन्हें अपना नेता माना है। जब वे कहते हैं कि मैं ऐसे नेता (करुणानिधि) से ज़्यादा खतरनाक हूं, तो मेरे मन में एक ही बात आती है- जो लोग तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करने और हमारी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश करेंगे, उनके लिए मैं हमेशा खतरनाक रहूंगा।

कन्नागी नगर में चुनाव प्रचार के दौरान स्टालिन से मिलने के लिए भीड़ उमड़ी

उन्होंने आगे कहा अगर मुझे अपने नेता से एक कदम आगे माना जाता है, तो मैं इसे गर्व की बात मानता हूं, क्योंकि यह भावना तमिलों के खून में दौड़ती है। महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव करने वाले बिल पर बोलते हुए, जो पिछले हफ्ते लोकसभा में गिर गया था, स्टालिन ने कहा कि वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने बिल की प्रतियां जलाकर केंद्र सरकार के इस कदम का विरोध किया था। मंगलवार सुबह चेन्नई में लोगों में ज़बरदस्त उत्साह देखने को मिला, जब कन्नागी नगर में बड़ी संख्या में लोग एम.के. स्टालिन की एक झलक पाने के लिए जमा हुए।

परिसीमन बिल हमें सजा देने की एक कोशिश जैसा

उन्होंने कहा पिछले हफ़्ते, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया परिसीमन बिल हमें सज़ा देने की एक कोशिश जैसा लगा, हमें, जो एक ऐसा राज्य है जिसने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया है और औद्योगिक विकास के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। जैसे ही यह बिल पेश किया गया, मैं सबसे पहले इसका विरोध करने और विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के लिए आगे आया, जिसमें बिल की प्रतियां जलाना भी शामिल था। उन्होंने कहा हमने जो आग जलाई है, उसने उस बिल को राख में बदल दिया है।

स्टालिन यहां चुनाव प्रचार के लिए आए थे। लोग मुख्यमंत्री से मिलने के लिए उस इलाके में उमड़ पड़े, कई लोगों के हाथों में लाल और काले रंग के गुब्बारे थे-जो डीएमके के प्रतीक रंग हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, स्टालिन ने वहां के निवासियों से बातचीत की और सभा को संबोधित किया, जिससे स्थानीय लोगों का काफ़ी ध्यान उनकी ओर आकर्षित हुआ। भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए, अधिकारियों ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के पुख्ता इंतज़ाम किए थे, ताकि यह कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के संपन्न हो सके।

केंद्र सरकार की भ्रम पैदा करने की साजिश विफल: कनिमोझी

डीएमके सांसद कनिमोझी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने इन प्रयासों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है और जीत की ओर अग्रसर है। मतदान से पहले बोलते हुए कनिमोझी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) जैसे उपायों और छापेमारी जैसी प्रवर्तन कार्रवाइयों का इस्तेमाल मतदाताओं को डराने और गुमराह करने के लिए किया जा रहा है। कनिमोझी ने कहा कि एसआईआर समेत कई मोर्चों पर भ्रम पैदा करने के प्रयास किए गए हैं, लेकिन डीएमके ने सक्रियता से काम किया है और इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। पार्टी की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में वापसी करेगा और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को दूसरा कार्यकाल मिलना तय है। उन्होंने कहा कि हमें सरकार बनाने का पूरा भरोसा है।

पीएम मोदी खाली ड्रामा करते हैं: ममता

» झालमुड़ी खाने पर टीएमसी का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए, चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खरीदने के लिए उनके अचानक रुकने को ड्रामा करार दिया। यह टिप्पणी पीएम मोदी के उस कदम के एक दिन बाद आई, जब उन्होंने झाड़ग्राम में अपने चुनावी दौरे के दौरान, मुरमुरे, हरी मिर्च और मसालों से बने लोकप्रिय बंगाली स्ट्रीट स्नैक को खरीदने के लिए कुछ देर का ठहराव किया था।

उस पल की सहजता पर सवाल उठाते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि यह पूरी घटना पहले से रची हुई थी। यह सब ड्रामा है। जब प्रधानमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान अचानक बिना किसी तय कार्यक्रम के रुकने का फ़ैसला किया, तो वहां कैमरा कैसे मौजूद था? यह पूरी घटना पहले से लिखी हुई थी। उन्हें अपनी जेब में 10 रुपये का नोट रखे हुए देखा गया। क्या इस पर यक़ीन किया जा सकता है? बनर्जी ने पीएम मोदी का नाम लिए बिना यह बात कही। टीएमसी प्रमुख बीरभूम जिले के मुरारई विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थीं।

आईपीएल में मुंबई की चौथी सबसे बड़ी जीत

» तिलक-अश्विनी के दमदार प्रदर्शन के बल पर गुजरात को 99 रनों से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। तिलक वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद अश्विनी कुमार की घातक गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 99 रनों के अंतर से मात दी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक की 101 रनों की नाबाद पारी की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 15.5 ओवर में सिर्फ 100 रन ही बना सकी। बता दें कि, यह मुंबई की रनों के अंतर से आईपीएल में उनकी चौथी सबसे बड़ी जीत है। वहीं, गुजरात दूसरी बार अपने सबसे छोटे स्कोर पर ऑलआउट हुई।

लगातार चार मैचों में हार के बाद यह मुंबई की पहली जीत है। वहीं, टीम ने चार अंकों के साथ अंक तालिका में छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, गुजरात फिलहाल छह अंकों के साथ छठे पायदान पर बनी हुई है। गुजरात की शुरुआत ही इस मुकाबले में खराब रही। पारी की पहली ही गेंद पर साई सुदर्शन (0) का विकेट गंवा चुकी थी। एक समय 55 रनों पर पांच विकेट गंवाने के बाद मैच में वापस नहीं आ सकी। अश्विनी कुमार ने 24 रन देकर चार विकेट हासिल किए। इससे पहले, मुंबई की शुरुआत भी बेहद खराब रही थी और रबाडा ने पावरप्ले में ही मुंबई को तीन झटके दे दिए थे। तिलक ने इसके बाद नमन धीर के साथ मिलकर मुंबई की पारी को संभाला। उन्होंने शुरुआत धीमी की थी और 22 गेंदों पर 19 रन ही बनाए थे। लेकिन इसके बाद अगले 23 गेंदों पर 82 रन ठोक डाले। तिलक ने 45 गेंदों पर अपने आईपीएल करियर का पहला शतक पूरा किया। इससे पहले सनथ जयसूर्या ने 2008 में चेन्नई के खिलाफ इतने ही गेंदों पर मुंबई के लिए शतक लगाया था।

हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए अक्षर फिट घोषित

हैदराबाद। दिल्ली कैपिटल्स का सामना आज सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल पिछले मैच में चोटिल हो गए थे। अब टीम के मुख्य कोच हेमांग बदानी ने अक्षर की फिटनेस को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कप्तान अक्षर पटेल आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के लिए पूरी तरह फिट हैं। वहीं, बदानी ने अपने बल्लेबाजों के मैच जिताने वाले प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि टी20 क्रिकेट में निरंतरता से ज्यादा प्रभावी प्रदर्शन मायने रखता है। बदानी ने दिल्ली की बल्लेबाजी में कथित अस्थिरता को लेकर उठ रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि कुछ झटके लगे हैं, लेकिन टीम अपनी प्रक्रिया से संतुष्ट है। बदानी ने सत्र की शानदार शुरुआत के बाद पिछले कुछ मैचों में लचर प्रदर्शन करने वाले समीर रिजवी का समर्थन करते हुए कहा, अगर कोई खिलाड़ी आपको अकेले दम पर दो मैच जिता चुका है और इस सत्र में दो बार मैन ऑफ द मैच रहा है, तो मैं उससे संतुष्ट हूं। पिछले साल भी उसके खाते में तीन मैन ऑफ द मैच थे।

डीएमके-कांग्रेस ने दक्षिण से धोखा किया

» संविधान संशोधन बिल गिरने पर भाजपा नेता अन्नामलाई ने सीएम स्टालिन को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भाजपा के नेता के. अन्नामलाई ने द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) और कांग्रेस की संविधान संशोधन विधेयक का विरोध करने के लिए आलोचना की, जो दक्षिणी राज्यों के लिए प्रतिनिधित्व में वृद्धि के बावजूद लोकसभा में हार गया। अन्नामलाई ने कहा कि मुझे सच में समझ नहीं आ रहा है कि डीएमके और कांग्रेस को क्या समस्या है, जबकि सभी दक्षिण भारतीय राज्यों का कोटा 50त बढ़ गया है। अन्नामलाई ने आगे कहा कि दक्षिण भारत का कुल आनुपातिक प्रतिनिधित्व 23.9 प्रतिशत पर स्थिर है, जो 23.7प्रतिशत से मामूली वृद्धि है।

इसलिए डीएमके और कांग्रेस को छोड़कर किसी को कोई समस्या नहीं है। डीएमके वंशवाद को बढ़ावा देना चाहती है तमिलनाडु के लोग इसे देख रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि 23 अप्रैल को वे डीएमके और कांग्रेस के खिलाफ निर्णायक मतदान करेंगे। कानून व्यवस्था और शहरी अवसंरचना के मुद्दों पर डीएमके सरकार की आलोचना करते हुए, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीए चुनाव जीतेगा और एडप्पाडी के. पलानीस्वामी को अगले मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे और मतगणना 4 मई को होगी। मुख्य मुकाबला डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) और एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच होने की उम्मीद है, जिसमें भाजपा और पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) सहयोगी हैं। अभिनेता से राजनेता बने विजय के नेतृत्व वाले टीवीके राज्य चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबला स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

कृषि ऋणों में 22 हजार करोड़ की दी जाएगी छूट

एनडीए के एजेंडे पर जोर देते हुए, अन्नामलाई ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में एडप्पाडी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की और प्रमुख वादों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार ईपीएस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पहले 10 दिनों तक गांजा विरोधी टास्क फोर्स उनके नियंत्रण में रहेगी। साथ ही, किसानों के लिए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके कृषि ऋणों में 22 हजार करोड़ रुपये की छूट दी जाएगी। कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में तमिलनाडु भर के मतदाता राजनीतिक परिवर्तन की ओर झुक रहे हैं।

कांग्रेस और डीएमके महिला विरोधी : नायडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को प्रस्तावित परिसीमन का बचाव करते हुए इसे अपरिहार्य बताया और कहा कि इस योजना के तहत किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम की इसके विरोध के लिए आलोचना भी की।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, नायडू ने राहुल गांधी और एम के स्टालिन के इस दावे पर सवाल उठाया कि विपक्ष ने परिसीमन से जुड़े प्रस्ताव को सफलतापूर्वक रोक दिया है। नायडू ने कहा कि दोनों पार्टियों को यह स्पष्ट करना होगा कि यह किस तरह की जीत है, और आरोप लगाया कि इस कदम का विरोध करके उन्होंने राजनीतिक आरक्षण की प्रतीक्षा कर रही महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है।

सोनिया और राहुल गांधी को राहत

» ईडी की याचिका पर सुनवाई टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई नहीं की। इस मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच के सामने होनी थी। मिली जानकारी के अनुसार, अब इस मामले की सुनवाई 25 मई को होगी। एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट के पिछले फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कई अन्य लोगों के खिलाफ दायर चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था।

अधिकारियों के मुताबिक, ईडी का तर्क है कि ट्रायल कोर्ट के आदेश की न्यायिक समीक्षा ज़रूरी है और चार्जशीट में पेश की गई सामग्री पर औपचारिक संज्ञान लिया जाना चाहिए। इससे पहले, 22 दिसंबर को हाई कोर्ट ने गांधी परिवार और कई अन्य लोगों को मुख्य याचिका और ईडी की उस अर्जी, दोनों के संबंध में नोटिस जारी किए थे, जिसमें ट्रायल कोर्ट के 16 दिसंबर, 2025 के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। ट्रायल कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन गलत था, क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं थी।

नहीं रुक रहा कमरा नंबर 12 में 'सर्टिफिकेट का खेल'

» रिश्वतखोर बाबू कर रहा खुलेआम धन उगाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क/ मो. शारिक

लखनऊ। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के कमरा नंबर 12 से एक बार फिर भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि यहां तैनात बाबू हिमांशु श्रीवास्तव जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से जुड़े कामों में खुलेआम धन उगाही कर रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार सर्टिफिकेट से संबंधित रिपोर्ट लगाने के नाम पर आम जनता और अधिवक्ताओं से हजारों रुपये तक की मांग की जा रही है। काम कराने के लिए आने वाले लोगों का आरोप है कि बिना पैसे दिए फाइल आगे नहीं बढ़ाई जाती, जिससे लोगों को बार-बार नगर निगम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह पहली बार नहीं है जब बाबू हिमांशु श्रीवास्तव पर इस तरह के आरोप लगे हों।

बाबू हिमांशु श्रीवास्तव

नगर निगम की ढीली कार्रवाई के कारण मामला ठंडे बस्ते में

पूर्व में भी उन पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लग चुके हैं, लेकिन नगर निगम की ढीली कार्रवाई के कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया और अब फिर वही हालात सामने आ रहे हैं। जिस व्यक्ति को सर्टिफिकेट से जुड़ा काम सौंपा गया है, वह अक्सर अपनी सीट से गायब रहता है। सूत्रों के मुताबिक वह नशे का आदी हो चुका है, जिसके चलते जब मन होता है तभी दफ्तर आता है और जब मन नहीं होता तो पूरा दिन गायब रहता है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

'दस हजार की जगह 3 हजार में हुआ काम'

एक अधिवक्ता ने बयान दिया कि वह एक सर्टिफिकेट कैंसिल कराने आया था जिसका मुझसे एक प्राइवेट कर्मचारी ने दस हजार बताया जिसके बाद मैने उस व्यक्ति से बहस हुई उतनी देर में हिमांशु श्रीवास्तव जो कि स्वास्थ्य विभाग के बाबू है जिनसे मेरी बात 3 हजार रूपये में तय हो गई और मेरा काम कर दिया लेकिन मुझे पता है इतने पैसे नहीं पड़ते है फिर भी मेरे क्लाइंट की मजबूरी थी जो मुझे देना पड़े अधिवक्ता ने कहा कि खुली लुट मची है कौन बाबू है कौन प्राइवेट में है वहां पर कुछ पता नहीं चलता सिर्फ पैसा चलता है 12 नंबर कमरे में।

परिसीमन व महिला आरक्षण को लेकर सियासी बवाल जारी

भाजपा ने विपक्ष को घेरा, कांग्रेस ने बीजेपी पर साधा निशाना

» महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने की भाजपा की रणनीति अनुचित : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। परिसीमन व महिला आरक्षण को लेकर सियासी बवाल थम नहीं रहा है। जहां भाजपा विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है वही कांग्रेस भी उसे घेरने में पीछे नही हट रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने की भाजपा की रणनीति की कड़ी आलोचना की, इसे तमिलनाडु जैसे जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों को दंडित करने वाला एक खतरनाक खेल और धोखा बताया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की एकजुटता ने इस दक्षिण-विरोधी विधेयक को विफल कर दिया, जो संघीय ढांचे के लिए खतरा था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा द्वारा महिला आरक्षण को 11 की जनगणना पर आधारित परिसीमन से जोड़ने की आलोचना करते हुए इसे एक खतरनाक खेल बताया, जो जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करता है। 21 अप्रैल को तमिलनाडु के वेलाचेरी में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, खरगे ने लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के खारिज होने का स्वागत किया।

जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर महिला आरक्षण को जानबूझकर टालने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं सोनिया और राहुल गांधी की तत्काल कार्यान्वयन की मांगों को नजरअंदाज किया गया। कांग्रेस के अनुसार, सरकार अब इस महत्वपूर्ण सुधार में देरी के लिए विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया का बहाना बना रही है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और सोनिया गांधी की बार-बार की मांगों के बावजूद, विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया से महिलाओं के आरक्षण को जोड़कर जानबूझकर इसके कार्यान्वयन में देरी कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के पूर्व पत्रों का हवाला देते हुए आरक्षण को तत्काल लागू करने की पार्टी की निरंतर मांग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केंद्र ने विधेयक पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने से इनकार कर दिया। खड़गे ने कहा कि भाजपा सरकार ने 11 की जनगणना के आधार पर परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़कर एक खतरनाक खेल खेलने की कोशिश की। इसका मतलब है तमिलनाडु जैसे राज्यों को दंडित करना, जिन्होंने सफलतापूर्वक जनसंख्या नियंत्रण किया। विपक्ष एकजुट रहा, दिल्ली में कांग्रेस ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और डीएमके, टीएमसी, एसपी सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर विधेयक को विफल किया।

खरगे ने स्टालिन की प्रशंसा की

खरगे ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की प्रशंसा करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विधेयक के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि यह जनविरोधी और दक्षिण विरोधी है, इसलिए उन्होंने विधेयक को फाड़कर जला दिया। यह देश के हर नागरिक की जीत है। यह संघवाद और न्याय की जीत है। हमने पंचायत और स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। यह कांग्रेस की उपलब्धि है, प्रधानमंत्री मोदी की नहीं।

सन 18 में ही कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में राहुल गांधी ने को प्रधानमंत्री मोदी को लिखा था पत्र : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में राहुल गांधी ने 16 जुलाई, 18 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग की थी। आठ साल बाद भी, प्रधानमंत्री परिसीमन से जोड़कर आरक्षण के कार्यान्वयन में देरी करने के इच्छुक हैं और उन्होंने अभी तक इस मांग पर कोई कार्रवाई नहीं की है। रमेश ने पहले के प्रयासों को याद करते हुए कहा कि 2017 में, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में श्रीमती सोनिया गांधी ने भी महिला आरक्षण विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। कांग्रेस पार्टी का रुख अडिग और अपरिवर्तित रहा है। यह मोदी सरकार ही है जिसने इस मांग पर ध्यान नहीं दिया और फिर परिसीमन से जोड़कर इसमें देरी करने की कोशिश की।

बीजेपी का पूरा कंट्रोल इसलिए चुप हैं नीतीश कुमार: राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा, जिन्होंने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने नीतीश कुमार को समझौतावादी बताते हुए आरोप लगाया कि जेडीयू प्रमुख के पिछले कार्यों ने भाजपा को उन पर पूरी तरह से नियंत्रण करने की अनुमति दी।

गांधी ने राज्यसभा सांसद नीतीश पर हमला तब किया जब कांग्रेस नेता तमिलनाडु के थूथुकुडी में एक चुनावी रैली में भाषण दे रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीतीश को मुख्यमंत्री पद से हटाने में इसलिए सफल रही क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री रिश्वतखोर थे और राज्यसभा भेजे जाने के बाद उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश ने बिहार से राज्यसभा चुनाव जीतने के कुछ दिनों बाद 14 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था। जेडीयू नेता का नाम लिए बिना, कांग्रेस नेता ने कहा कि देखिए बिहार में हाल ही में क्या हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री को हटाकर उनकी जगह भाजपा के एक व्यक्ति को बिठा दिया गया है। क्यों? क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री भ्रष्ट हैं। उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए। बिहार का उदाहरण देते हुए राहुल गांधी ने तमिलनाडु के लिए भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की और कहा कि भाजपा एक ऐसी राज्य सरकार चाहती है जिस पर उनका पूर्ण नियंत्रण हो।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पेश करना होगा बहुमत

24 अप्रैल को विधानसभा के विशेष सत्र में फ्लोर टेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नवगठित भाजपा-आधारित एनडीए सरकार का 24 अप्रैल को विधानसभा के विशेष सत्र में फ्लोर टेस्ट होगा। कई घटक दलों की मजबूत स्थिति को देखते हुए सरकार के फ्लोर टेस्ट में आसानी से पास होने की उम्मीद है।

बांकीपुर विधानसभा सीट अभी खाली है क्योंकि इसके विधायक नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बाद में राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। ऐसे में राज्य विधानसभा में एनडीए विधायकों की संख्या 201 है, जबकि विपक्ष के पास 243 सदस्यीय विधानसभा में 41 विधायक हैं। हालांकि, विपक्ष नई सरकार पर हमले करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। केंद्र और बिहार सरकारें भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा पर एक उच्चस्तरीय बैठक करेंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 2 मई को दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस उच्चस्तरीय बैठक में सीमा सुरक्षा, घुसपैठ और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राज्य के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी इस बैठक में वर्चुअल माध्यम से शामिल हो सकते हैं। बैठक में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ राज्य के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और डीजीपी विनय कुमार भी उपस्थित रहेंगे।

राहुल की जगह प्रियंका को कमान सौंपे कांग्रेस: तेज प्रताप

» लालू के बड़े पुत्र बोले- इंदिरा गांधी जैसी हैं वायनाड की सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रियंका गांधी को कांग्रेस की कमान सौंपने की वकालत की है, और उन्हें इंदिरा गांधी जैसा बताया है। यह टिप्पणी राहुल द्वारा नीतीश कुमार की आलोचना के जवाब में आई है, जो बिहार की राजनीति में एक नई बहस छेड़ रही है।

जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को कांग्रेस के नेतृत्व के लिए प्रियंका गांधी की वकालत करते हुए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पार्टी का नेतृत्व करने की क्षमता पर अविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केवल प्रियंका गांधी ही इसे चला सकती हैं; वह इंदिरा गांधी जैसी हैं। राहुल गांधी से चलने वाला नहीं है, यात्रा पर जाकर, बुलेट पर बैठकर। नीतीश कुमार जी चले गए, कोई और मुख्यमंत्री बन गया, उनका मकसद क्या है? तेज प्रताप यादव की यह टिप्पणी राहुल गांधी के उस आरोप के जवाब में आई है जिसमें उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार के राज्य की राजनीति से हाल ही में बाहर निकलने के बाद उन्हें समझौते में फंसा हुआ बताया था। भाजपा के सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार की जगह बिहार के मुख्यमंत्री का पद संभाला। यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए गए हैं।

इसी साल जनवरी में, कांग्रेस के पूर्व नेता शकील अहमद ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और राहुल गांधी पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व को बाहर निकालना चाहते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और दावा किया कि वे लोकप्रिय और अनुभवी नेताओं के साथ सहयोग करने में असहज महसूस करते हैं।

अहमद ने एएनआई से कहा कि कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं जो राहुल गांधी के राजनीति में आने से बहुत पहले से राजनीति में हैं। जिस दिन राहुल गांधी जी ने अपना पहला चुनाव जीता, उसी दिन मैंने अपना पांचवां चुनाव जीता। मेरा मानना है कि वे उन लोगों के साथ बैठने में असहज महसूस करते हैं जो उन्हें अपना मुखिया नहीं मानते। मुझे यह लंबे समय से महसूस होता रहा है, लेकिन जब आप पार्टी में रहते हैं तो ऐसी बातें नहीं कहते।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा